बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



कैन और हाबिल

दो भाइयों, हृदय के चुनावों और परमेश्वर की दया की कहानी।



कैन का जन्म हुआ

अदन की वाटिका से बाहर, आदम और हव्वा ने अपना परिवार बसाना शुरू किया। जब उनका पहला पुत्र जन्मा, हव्वा ने उसका नाम कैन रखा और माना कि परमेश्वर ने उसे यह पुत्र दिया है।



फिर हाबिल का जन्म हुआ

कुछ समय बाद कैन का छोटा भाई हाबिल जन्मा। दोनों साथ-साथ बड़े हुए और उस नई भूमि में काम करना सीखा जहाँ उनका परिवार रहता था।



दो अलग-अलग काम

बड़े होकर हाबिल भेड़ों की देखभाल करने लगा। कैन भूमि पर खेती करता था। दोनों भाइयों का काम महत्वपूर्ण था और वे अपने काम से परमेश्वर का आदर कर सकते थे।



भाइयों ने भेंट चढ़ाई

एक समय आया जब दोनों ने परमेश्वर को भेंट चढ़ाई। कैन भूमि की उपज में से लाया। हाबिल ने अपने झुंड के पहिलौठों और सबसे अच्छे पशुओं में से चुना।



परमेश्वर ने हृदय को देखा

परमेश्वर ने हाबिल और उसकी भेंट को प्रसन्नता से स्वीकार किया, पर कैन और उसकी भेंट से प्रसन्न नहीं हुआ। बात केवल भेंट की नहीं थी; परमेश्वर हर हृदय की भावना जानता था।



कैन क्रोधित हुआ

कैन बहुत क्रोधित हुआ और उसका चेहरा उतर गया। परमेश्वर ने उससे पूछा कि वह क्यों क्रोधित और उदास है। परमेश्वर चाहता था कि वह समझे कि उसके भीतर क्या हो रहा है।



परमेश्वर ने दूसरा मार्ग दिखाया

परमेश्वर ने उससे कहा कि यदि वह भलाई करे तो उसे स्वीकार किया जाएगा। उसने यह भी चेतावनी दी कि पाप उसे वश में करना चाहता है, पर उसे उस इच्छा पर विजय पाकर सही बात चुननी चाहिए।



कैन ने हाबिल को खेत में बुलाया

कैन ने अपने भाई हाबिल से बात की और उसे खेत में चलने को कहा। वहाँ उसने परमेश्वर की चेतावनी सुनने के बजाय अपने क्रोध को बढ़ने दिया।



एक भयानक निर्णय

खेत में कैन ने हाबिल पर आक्रमण किया और उसकी जान ले ली। यह एक भयानक निर्णय था जिसे वह वापस नहीं ले सकता था। बाइबल दिखाती है कि बढ़ाया गया क्रोध कितना बड़ा नुकसान कर सकता है।



तुम्हारा भाई कहाँ है?

परमेश्वर ने कैन से पूछा, ‘तुम्हारा भाई हाबिल कहाँ है?’ कैन ने उत्तर दिया, ‘मैं नहीं जानता। क्या मैं अपने भाई का रखवाला हूँ?’ लेकिन परमेश्वर सब कुछ जानता था जो हो चुका था।



भूमि ने गवाही दी

परमेश्वर ने कहा कि हाबिल का लहू भूमि से पुकार रहा है। अब वह भूमि कैन को पहले की तरह उपज नहीं देगी, और वह एक स्थान से दूसरे स्थान भटकता रहेगा।



कैन डर गया

कैन समझ गया कि उसका दण्ड बहुत भारी है। उसे डर लगा कि जो कोई उसे पाएगा वह उसे हानि पहुँचाएगा। उसे अपने काम के परिणाम सहने थे, फिर भी परमेश्वर ने किसी को उससे बदला लेने की अनुमति नहीं दी।



कैन दूर चला गया

परमेश्वर ने कैन पर एक चिन्ह रखा ताकि उसकी जान सुरक्षित रहे। फिर कैन परमेश्वर की उपस्थिति से दूर होकर अदन के पूर्व में नोद देश में रहने लगा। उसकी कहानी हमें याद दिलाती है कि क्रोध हमारे निर्णयों को चलाने से पहले हमें परमेश्वर की सुननी चाहिए।